हिंदी में रोजगार की अपार संभावनाएं: येरावार

लोकमत समाचार सेवा

देगलूर : हिंदी भाषा न सिर्फ वैश्विक संपर्क की भाषा बनकर उभर रही है, अपितु हिंदी भाषा में रोजगार की अपार संभावनाएं भी निर्माण हो रही हैं. यह बात विश्व हिंदी दिवस के मौके पर मंगलवार को स्थानीय देगलूर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी विभाग प्रमुख डॉ संतोष येरावार ने कही.

देगलूर में मंगलवार को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर देगलूर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए हिंदी विभाग प्रमुख डॉ संतोष येरावार (बाएं) और कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी (दाएं).

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए डॉ येरावार ने कहा कि पत्रकारिता, मीडिया, पटकथा लेखन, फ़िल्म लेखन, कहानी लेखन, अनुवाद आदि विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार संभावनाएं बढ़ी हैं. डॉ येरावार ने कहा कि हिंदी भाषा का साहित्य अत्यंत संपन्न और प्रासंगिक है. देश के स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी का अतुलनीय योगदान रहा है. वर्तमान में विश्व के कई देशों में प्रयुक्त होने वाली भाषा हिंदी है. संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, विज्ञापन की भाषा, मीडिया की भाषा, वाणिज्यिक भाषा, फिल्मों की भाषा को अपनाने वाली हिंदी का महत्व वैश्वीकरण के युग में बढ़ता जा रहा है. इसलिए हिंदी समूचे विश्व की संपर्क भाषा बन गई है.

कार्यक्रम में डॉ अशोक टिपरसे व डॉ सर्जेराव रणखांब ने भी अपने विचार व्यक्त किए. उप प्रधानाचार्य एमएम पटेल ने अपने मंतव्य में हिंदी की वैश्विक स्थिति को अभिव्यक्त किया. अध्यक्षीय भाषण में डॉ अनिल चिद्रावार ने हिंदी भाषा के महत्व को बताते हुए छात्रों से ऊंचाई हासिल करने का आह्वान किया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता उपप्राचार्य डॉ अनिल चिद्रावार ने की. प्रमुख अतिथि के रूप में प्रा अशोक टिप्परसे, डॉ सर्जेराव रणखांब, कनिष्ठ महाविद्यालय के उपप्राचार्य एमएम चमकुड़े, प्रा शिवचरण गुरुडे, पर्यवेक्षक प्रा संग्राम पाटील, प्रा धनराज लड़ड़े उपस्थित थे.

Scanned with OKEN Scanner